दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी
वर्ष 15 / अंक 99 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, बुधवार, 07 जून 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com | e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

पुलिस आरक्षी के जो 1550 शेष रिक्त पद हैं, उन पर नई ...
दो हजार के नोट की वापसी कितनी सही
मूल्य- 2 रु.

मुंबई में 15-17 जून तक जुटेंगे देश भर के 2500 विधायक, करेंगे विकास की चर्चा

नयी दिल्ली, (वार्ता)। मुंबई में इस माह के मध्य में अपनी तरह की एक अनोखी राष्ट्रीय पंचायत आयोजित की जा रही है जिसमें देश भर से विभिन्न दलों और विचारधाराओं के करीब 2500 से अधिक जनप्रतिनिधि और विशेषज्ञ दलगत-राजनीति और वैचारिक मतभेदों को किनारे रख कर देश के विकास, जनाकांक्षाओं की पूर्ति, लोकतांत्रिक संस्थाओं के स्वास्थ्य, देश की एकता-कजुटता, सीमओं की सुरक्षा तथा वैश्विक नीतियों के निर्धारण में भारत की भूमिका जैसे तमाम ज्वलंत विषयों पर चर्चा करेंगे।

एमआईटी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट (एमआईटी-एसओजी) द्वारा राष्ट्रीय विधायक सम्मेलन (एनएलसी) भारत के बैनर तले यह सम्मेलन नवनिर्मित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में 15-17 जून तक चलेगा। सम्मेलन की विषय-वस्तु और कार्यक्रम की घोषणा करते हुए एनएलसी-भारत के संरक्षक मंडल एवं संचालन परिषद की सदस्य एवं लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष डॉ मीरा कुमार ने यहां मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि देश के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर 'राजनीति से ऊपर उठ कर चर्चा करने का यह एक अनोखा विचार मूर्त रूप ले रहा है। इसके लिए एमआईटी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट बधाई का पात्र है।"

एनएलसी-भारत की संचालन के संरक्षकों में लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और डॉ मनोहर जोशी शामिल हैं। आन-लाइन और आफ-लाइन, मिले-जुले तरीके से आयोजित संवाददाता सम्मेलन को शिवराज पाटिल एनएससी की सलाहकार परिषद के सदस्य दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रामनिवास गोयल, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष कुलवंत सिंह संधवां, पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष विमान बनर्जी और एमआईटी-डल्यूपीयू के अधिशासी अध्यक्ष राहुल वी कराड ने भी संबोधित किया और इस पहल की सराहना की। डॉ मीरा कुमार ने इस सम्मेलन के प्रतिभागियों के लिए छह सूत्री इस संकल की प्रशंसा की, जिसमें कहा गया है कि हम जात-पात, भ्रष्टाचार, साम्प्रदायिकता, द्वेष की राजनीति, जलवायु परिवर्तन और उपनिवेशवाद के विरुद्ध हैं।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ लोकतंत्र है और इसकी सफलता विश्व के लिए विष्मयकारक है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में देश भर से आने वाली विधायिका के क्षेत्र की विभूतियां 'देश की उन्नति, एकता, सीमाओं की सुरक्षा और वैश्विक पटल पर हमारी भूमिका के बारे में एक जगह विचारमंथन करेंगी।' डॉ कुमार ने कहा, "हमारे पास अपना एक संविधान है, हमें विचार करना है कि इसे धरातल गरीबों और सामान्य लोगों के लाभ के लिए धरातल पर कितना लागू किया गया है।"

सीबीआई नहीं, विशेषज्ञों से कराएं बालासोर रेल दुर्घटना की जांच : कांग्रेस

नयी दिल्ली, (वार्ता)। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि बालासोर रेल दुर्घटना में 300 लोगों की जान गई है और सरकार को इस दुर्घटना को लेकर आंखों में धूल झोंकने की बजाए असलियत सामने लाने के लिए सीबीआई नहीं बल्कि विशेषज्ञों से जांच करानी चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बालासोर रेल दुर्घटना की सीबीआई से जांच कराने की सरकार की घोषणा को सुर्खियां बटोरने का प्रयास बताया और कहा कि घटना से संबंधित रिपोर्ट आने से पहले ही सीबीआई जांच की घोषणा ध्यान भटकाने का प्रयास है। उन्होंने उदाहरण देते हुए सवाल किया कि क्या सच में सीबीआई और एनआईए कुछ कर पाएगी।

उत्तराखंड में यहां मुसलमानों को 15 जून तक दुकानें खाली करने के नोटिस किए चस्पा

उत्तराखंड में मुसलमानों की दुकानों पर धमकी भरे पोस्टर चस्पा किए

सुमित तिवारी, (उत्तराखंड प्रहरी)

उत्तरकाशी। उत्तराखंड में उत्तरकाशी जिले के पुरोला क्षेत्र में अल्पसंख्यक समुदाय के एक व्यक्ति समेत दो लोगों द्वारा नाबालिग लड़की के अपहरण की कोशिश नाकाम होने के कुछ दिन बाद मुसलमानों की दुकानों पर पोस्टर चिपके हुए मिले हैं, जिनमें उन्हें धमकी देते हुए तुरंत पुरोला छोड़कर जाने के लिए कहा गया है। पुरोला के थाना प्रभारी खजान सिंह चौहान ने कहा कि रविवार देर शाम दुकानों पर पोस्टर चिपकाए गए। पोस्टरों में मुस्लिम व्यापारियों को 15 जून तक पुरोला छोडने के लिए कहा गया है, जिस दिन देवभूमि रक्षा अभियान द्वारा महापंचायत आयोजित की जाएगी। पोस्टरों पर लिखा है, लव जिहादियों को सूचित किया जाता है कि वे 15 जून को होने वाली महापंचायत से पहले दुकानें खाली कर दें। यदि ऐसा नहीं करते हैं तो समय बताएगा कि क्या होगा ?
मुस्लिम व्यापारियों ने कहा कि वे अपनी दुकानें खोलने से डर रहे हैं और उनमें से कुछ ने शहर छोड़ दिया है। उत्तरकाशी के पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने कहा, हमने पोस्टर हटा दिए हैं और उन्हें चिपकाने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान की जा रही है।ुरोला मुख्य बाजार में 650-700 दुकानें हैं, जिनमें से 30-40 मुसलमानों की हैं। दक्षिणपंथी विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता वीरेंद्र राणा ने कहा कि पोस्टर स्थानीय लोगों ने चिपकाए थे। राणा ने कहा जो चाहते हैं कि एक विशेष समुदाय के सदस्य शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए शहर छोड़ दें। वे बाहर से व्यापार करने के लिए यहां आए थे, लेकिन अब हिंदू लड़कियों और महिलाओं को निशाना बना रहे हैं।

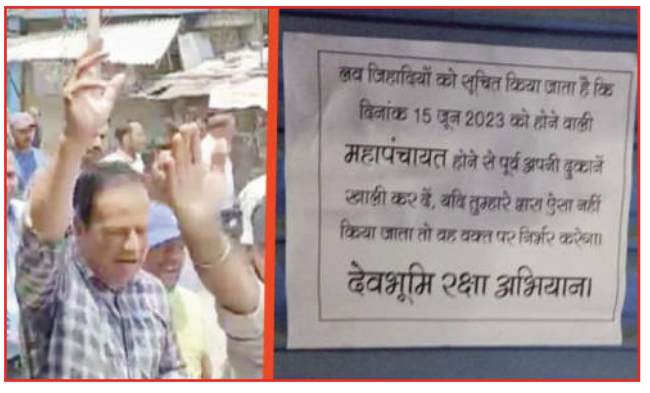

पुलिस ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय व्यापार मंडल और जन प्रतिनिधियों से सोमवार को मुलाकात कर उनसे शांति और कानून- व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। चौहान ने कहा कि कथित तौर पर पोस्टर लगाने वाले देवभूमि रक्षा अभियान के अज्ञात लोगों के खिलाफ क्षेत्र की शांति भंग करने का षडयंत्र रचने और विशेष समुदाय की भावनाएं भड़काने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टर चिपकाने के मामले की जांच शुरू कर दी गई है और देवभूमि रक्षा अभियान से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा रही है। मुसलमानों के एक समूह ने पुरोला के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) देवानंद शर्मा तथा एसएचओ चौहान से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा और शहर की शांति व सामाजिक सौहार्द्र को भंग करने की मंशा रखने वाले एक विशेष समुदाय के संदिग्ध व आपराधिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्वाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कस्बे में इस तरह की स्थिति पैदा करने वाले तत्वों की पहचान की जानी चाहिए। ज्ञापन में कहा गया है कि मुस्लिम परिवार वर्षों से स्थानीय लोगों के साथ शांति से रह रहे हैं और व्यापार कर रहे हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अपराधी प्रवृत्ति के लोग बाहर से आ रहे हैं और व्यापार करने के नाम पर कस्बे में सामाजिक माहौल को खराब कर रहे हैं। उन्होंने आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्वाई की व्यापार मंडल की मांग का समर्थन किया। कपड़ा कारोबारियों अशरफ और रईस ने कहा कि जहां तक आपराधिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही की बात है, तो वे व्यापार मंडल के साथ हैं।

पुरोला में कपड़े की दुकान चलाने वाले 35 वर्षीय सलीम ने कहा कि उन्हें डर की वजह से देहरादून अपने भाई के घर जाना पड़ा है। उन्होंने कहा, हम डर में जी रहे हैं। हम इस तरह की स्थिति में पुरोला नहीं लौट सकते। अगर वे चाहते हैं कि हम पहाड़यों को छोड़ दें, तो अधिकारियों को पुरोला में हमारी संपत्तियों के लिए हमें मुआवजा देना चाहिए। सोमवार को पुरोला एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में मुस्लिम परिवारों ने कहा कि वे आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने अपनी दुकानें फिर से खोलने के लिए प्रशासन से सुरक्षा की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उनके साथ कुछ भी अप्रिय होता है तो प्रशासन जिम्मेदार होगा। पुरोला के एसडीएम शर्मा ने कहा कि कानून-व्यवस्था नियंत्रण में है। उन्होंने कहा, हम शहर में शांति बनाए रखने के लिए सभी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं।

पुरोला में 26 मई को उस समय सांप्रदायिक तनाव फैल गया था जब मुस्लिम समुदाय के एक व्यक्ति सहित दो लोगों को स्थानीय लोगों ने एक नाबालिग हिंदू लड़की का अपहरण करने और उसको भगाकर ले जाने की कोशिश करते हुए पकड़ लिया। लड़की को छुड़ा लिया गया और अगले दिन हुडोली गांव से आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। तनाव अब उत्तरकाशी जिले के अन्य शहरों में भी पैर पसार रहा है। उत्तरकाशी जिला व्यापार मंडल, उससे संबद्ध निकायों और हिंदू जागृति संगठन ने मंगलवार को चिन्यालीसौड़ में बाजार बंद आयोजित किया और टैक्सी स्टैंड से पीपलमंडी बाजार, श्यामपुर देवी मंदिर और सुलीताग होते हुए तहसील कार्यालय तक जुलूस निकाला। जिला पंचायत अध्यक्ष दीपक बिजलवान ने कहा कि फेरीवालों को व्यवसाय चलाने के लिए पर्ची नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, हमें बाहरी लोगों को अपना कारोबार चलाने के लिए किराए पर जगह नहीं देनी चाहिए।

> पुरोला में बढ़े विवाद को लेकर राज्य के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखंड शांत प्रदेश है। यहां पर माहौल बिगड़ने नहीं देंगे। कानून अपना काम कर रहा है। उत्तरकाशी जनपद के ही चिन्याली सौड में एक कार्यक्रम में पंहुचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुरोला की घटना पर बोला कि लव जिहाद, लैंड जिहाद जैसे मुद्दों पर हमारी सरकार काम कर रही है। उत्तराखंड शांत प्रदेश है। उत्तराखंड के मूल स्वरूप को हम बिगड़ने नहीं देंगे। यहां कानून व्यवस्था अपना काम कर रही है। उत्तराखंड में सभी लोग भाईचारे से रहते हैं, यदि यहां पर कोई कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस आरक्षी के जो 1550 शेष रिक्त पद हैं, उन पर नई भर्ती प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ की जाएगी : सीएम धामी

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

1425 युवाओं को सीएम धामी ने दिए नियुक्ति पत्र, सात साल बाद उत्तराखंड पुलिस को मिले नए जवान

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 55 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। आरक्षी जनपद पुलिस, आरक्षी पीएसी/आईआरबी तथा फायरमैन में चयनित कुल सभी 1425 अभ्यर्थियों को आज नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। मुख्यमंत्री ने कहा पुलिस आरक्षी के जो 1550 शेष रिक्त पद हैं, उन पर नई भर्ती प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ की जाएगी। सीएम ने कहा कि आज राज्य के जनपदों एवं पीएसी वाहिनियों में पुलिस विभाग के विभिन्न संवर्गों में पुलिस आरक्षी के रूप में हमारे ऊर्जा से भरे नवयुवक एवं नवयुवतियां पुलिस का अभिन्न अंग बनने जा रहे हैं। पुलिस आरक्षी पुलिस फोर्स की प्राथमिक इकाई है, जो विभाग में नींव की तरह कार्य करते हैं एवं विभिन्न थाने चौकियों एवं चौराहों पर पुलिस का मुख्य चेहरा बनकर तैनात रहते हैं।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि हमारे ये पुलिस आरक्षी कड़ी मेहनत, लगन एवं ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुरूप राज्य सरकार उत्तराखंड पुलिस को एक आधुनिक और स्मार्ट पुलिस बल बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। उत्तराखण्ड पुलिस ने मित्रता, सेवा एवं सुरक्षा के रूप में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उत्तराखण्ड की आबादी के अलावा राज्य में राज्य की आबादी से लगभग पांच गुना श्रद्धालुगण देवभूमि आते हैं। प्रदेश में चारधाम यात्रा में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आ रहे हैं। हमारी मित्र पुलिस के जवान पूरी तत्परता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब हम दूसरों के दर्द को अपना दर्द समझकर सेवाभाव से अपनी ड्यूटी करते हैं तभी हम सही अर्थों में अपने कर्तव्यों का भली भांति निर्वहन करने में सफल रहते हैं। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड पुलिस में भर्ती होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि अब हमारे इन युवाओं को जन सेवा करने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। समाज के लिए पुलिस का रोल बहुत महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि समाज के साथ मधुर व्यवहार रखते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करना एवं समाज को सही दिशा में ले जाने में भी पुलिस की बड़ी भूमिका होती है। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने कहा आज उत्तराखण्ड पुलिस को 1425 नये जवान मिल गये हैं। 2016 के बाद लगभग सात साल बाद उत्तराखण्ड पुलिस को नये आरक्षी मिले हैं। उन्होंने कहा कि इनकी प्रशिक्षण की शुरूआत भी आज से ही की जायेगी। इन सभी आरक्षी को सामान्य प्रशिक्षण के साथ ही तकनीक आधारित प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में वर्तमान में मुख्य आरक्षी दूरसंचार, उपनिरीक्षक तथा विधि विज्ञान प्रयोगशाला के अन्तर्गत कुल 538 पदों पर भर्ती प्रक्रिया गतिमान है। इस अवसर पर मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक विनोद चमोली, अपर पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मारपीट मामला : इंसाफ ना मिलने पर गर्भवती महिला ने एसएसपी से लगाई गुहार

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

हरिद्वार। ब्रह्मपुरी रावली महदूद की रहने वाली 6 माह की गर्भवती महिला के द्वारा मारपीट के मामले में पुलिस कार्यालय रोशनाबाद में एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह के समक्ष न्याय की गुहार लगाई। महिला द्वारा मीडिया से रूबरू होते हुए बताया गया कि 2 जून को पीड़िता के घर पर पड़ोस में रहने वाले कुछ लोगों के द्वारा गाली गलौज करते हुए मारपीट की गई थी जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल किया गया था उक्त मामले में पीड़ित महिला के द्वारा थाना सिडकुल में प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की गई थी। पीड़ित महिला का कहना है कि उक्त मामले को लेकर अभी तक किसी तरह की कोई कार्यवाही नहीं की गई इंसाफ ना मिलने पर इंसाफ की गुहार लेकर एसएसपी कार्यालय रोशनाबाद पहुंची। पीड़ित महिला द्वारा यह भी बताया गया कि जिस वक्त यह मारपीट की गई थी उस वक्त महिला को काफी चोटें भी लगी थी जिसमें 108 एंबुलेंस सेवा के माध्यम से जिला अस्पताल उपचार के लिए ले जाया गया था जहां पीड़ित महिला का मेडिकल भी कराया गया था।

दोस्तों के साथ घूमने आया युवक गंगा की लहरों में हुआ ओझल, सर्च अभियान जारी

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

ऋषिकेश। दोस्तों के साथ घूमने आया युवक गंगा की लहरों में हुआ ओझल ,एसडीआरएफ की सर्चिंग जारी। एसडीआरएफ के गोताखोरों द्वारा संभावित स्थानों पर डाइविंग कर सर्च अभियान चलाया गया परंतु फिलहाल डूबे हुए युवक का कोई सुराग नहीं लग पाया टीम द्वारा सर्चिंग जारी है। उत्तराखंड के ऋषिकेश में एक युवक गंगा नदी में डूब गया बताया जा रहा है युवक अपने दोस्तों के साथ दिल्ली से यहां घूमने आया हुआ था।

सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। समाचार लिखे जाने तक युवक का पता नहीं चल पाया था। दोस्तों के साथ दिल्ली से ऋषिकेश घूमने आया युवक गंगा नदी में डूब गया। सूचना के अनुसार दिल्ली से ऋषिकेश घूमने आए युवक ऋषिकेश स्थित गंगा नदी में स्थित सच्चा धाम हिल्टन रैपिड पर नहा रहे थे। जिसमें दिल्ली निवासी शिवराम घोष पुत्र श्री दिवाकर चंद्र घोष नहाते समय अचानक गंगा नदी की लहरों में ओझल हो गया। दोस्तों द्वारा काफी खोजबीन करने पर भी वह कहीं दिखाई नहीं दिया। दोस्तों द्वारा इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना पर जल पुलिस व एसडीआरएफ ढालवाला की टीम द्वारा तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर डूबे हुए स्थान पर सर्चिंग की गई। एसडीआरएफ के गोताखोरों द्वारा संभावित स्थानों पर डाइविंग कर सर्च अभियान चलाया गया परंतु डूबे हुए युवक का कोई सुराग नहीं लग पाया टीम द्वारा सर्चिंग जारी है। डूबे व्यक्ति की सूचना उसके दोस्तों ने पुलिस को दी जिस आधार पर टीम द्वारा घटनास्थल से पशुलोक बैराज तक की गई, लापता व्यक्ति के परिजन भी पहुंच चुके है। एसडीआरएफ टीम के गोताखोरों द्वारा सर्चिंग जारी है।

हरकी पौड़ी पर गंगा, यमुना और सरस्वती नदी यात्रा का समापन हुआ, भव्य गंगा आरती का भी हुआ आयोजन

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

हरिद्वार। पवित्र तीर्थ स्थल हरकी पौड़ी पर एक दिवसीय गंगा, यमुना और सरस्वती नदी यात्रा का समापन हुआ। इस मौके पर भव्य गंगा आरती का आयोजन हुआ। इसमें प्रदेश के वित्त, शहरी विकास, आवास, पुनर्गठन व जनगणना मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। साथ ही इस मौके पर हरिद्वार सांसद डा. रमेश पोखरियाल निशंक और गुजरात के पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन भाई पटेल भी शामिल हुए। हरकी पौड़ी पर सपंन्न यात्रा को संबोधित करते हुए डा. अग्रवाल ने कहा कि श्रीगंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संरक्षण से जनता जनार्दन को सीधे जोड़ना है ताकि नई पीढ़ी आधुनिकता की दौड़ में अपनी पौराणिक संस्कृति को न भूल जाये। उन्होंने कहा कि गंगा, यमुना और सरस्वती यात्रा हरियाणा से प्रारंभ होकर उत्तर प्रदेश से गुजरते हुए उत्तराखंड की पावन भूमि के हरिद्वार में हरकी पौड़ी पर पहुंची है, इसके लिए डा. अग्रवाल ने आयोजक मंडल को बधाई दी। साथ ही आशा व्यक्त की कि प्रत्येक वर्ष यह यात्रा संचालित होते हुए अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगी।

इस मौके पर सांसद डा. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि गंगा की निर्मलता को बनाए रखने के लिए सरकार अनेक कार्यक्रम संचालित कर रही है तथा हम सभी को गंगा, यमुना और सरस्वती सहित सभी नदियों के संरक्षण के लिए आगे आना होगा। इस मौके पर गुजरात के पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन भाई पटेल ने कहा कि उत्तराखंड में गंगा नदी का होना वाकई में सुखद अनुभव हैं, यहां साक्षात मां गंगा का निवास है और हरकी पौड़ी में विष्णु जी अपनी छत्रछाया प्रदान कर रहे है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन नदियों के संरक्षण को प्रतिबद्ध हैं। हमें लोगों को इन नदियों के बारे में जागरूक करना होगा। इस मौके पर यात्रा संयोजक व झंडेवाला मंदिर के मुख्य प्रबंधक रविंद्र गोयल, राजेंद्र अटल, नारायण सिंह राणा, भारत चौहान, मौसम चौहान, डा. दयाशंकर, प्रीतम सिंह, चमन सिंह, श्रीगंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम, चंदन सैनी आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भगा ले जाने व बलात्कार करने का मामला, अलग-अलग संप्रदाय का हैं मामला

हरिद्वार। ज्वालापुर थाना क्षेत्र से एक युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने व उसके साथ बलात्कार करने का मामला सामने आया है। दोनों युवक युवती अलग-अलग संप्रदाय से हैं। पीड़िता के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक आर्यनगर, ज्वालापुर निवासी एक युवक ने कोतवाली ज्वालापुर में तहरीर देते हुए बताया कि उसकी बहन (मौसी की बेटी) की मुलाकात जमालपुर निवासी दूसरे धर्म के युवक समीर से हुई। इस बीच आरोपी समीर उसकी मौसेरी बहन को बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया और उसके साथ बलात्कार किया, जिस कारण उसकी बहन गर्भवती हो गई। जब परिजनों को इसकी जानकारी लगी तो वह पीड़िता को लेकर जीडी अस्पताल गए, जहां डॉक्टरों ने उसे एम्स रेफर कर दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 365, 376 में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पिता की तबियत का बहाना बुक की कार, चालक की आंखों में मिर्ची झोंक मोबाईल लूट हुआ फरार

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

ऋषिकेश। पिता की तबियत का बहाना बनाकर एक लुटेरा चालक की आंखों में मिर्ची झोंक लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पौड़ी पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। बिड़ाकोट हिंडोलाखाल देवप्रयाग निवासी टैक्सी चालक उदय सिंह चौहान ने पुलिस को बताया कि बीती रात एक व्यक्ति ने ऋषिकेश से पौड़ी के लिए उसका वाहन बुक करवाया था। पीड़ित ने बताया कि युवक ने यह कहकर वाहन बुक कराया कि उसके पिताजी एम्स में भर्ती है और वह फौजी परिवार से है, घर से आवश्यक कागजात आदि लाने हैं। जिसकी बातों पर विश्वास कर वह उसे लेकर चल दिया। आरोप है कि बीच सुनसान रास्ते पर ठग ने बहाने से गाड़ी रुकवाई और मौका देख उसकी आंखों में मिर्ची झोंक कर उसका फोन लेकर फरार हो गया साथ ही उसके फोन में गूगल पे से 70 हजार रुपये की रकम भी निकाल ली। पीड़ित की शिकायत पर देवप्रयाग थाना पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। थाना प्रभारी सुनिल पंवार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है, मामला साइबर क्राइम को सौंप दिया गया है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मेरी मुख्यमंत्री को यह सलाह है कि वह हर तीसरे दिन स्वयं जाम की मानिटरिंग करें : हरीश रावत

हरदा बोले, चारधाम यात्रा व्यवस्था पर जाम एक बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह चिन्ह, परेशान हो रहे यात्री

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

ऋषिकेश। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत सोमवार को ऋषिकेश में जाम में फंस गए। ऋषिकेश से तपोवन-मुनिकीरेती जाने के लिए उन्हें दोपहिया में लिफ्ट लेनी पड़ी। वह अपने कार्यक्रम में निर्धारित समय से डेढ़ घंटा विलंब से पहुंचे।

पूर्व मुख्यमंत्री को मुनिकीरेती के तपोवन में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने जाना था। जाम में फंसे होने के कारण उन्हें बाइक सवार युवक से लिफ्ट लेनी पड़ी और वह बाइक से तपोवन में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने खुले तौर पर कहा कि जिस तरीके से पूरे ऋषिकेश शहर में जाम ही जाम है यह चारधाम यात्रा व्यवस्था पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह चिन्ह खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि मेरी मुख्यमंत्री को यह सलाह है कि वह हर तीसरे दिन स्वयं जाम की मानिटरिंग करें, ताकि किसी भी हमारे यात्रियों, पर्यटकों व ऋषिकेश, मुनिकीरती के स्थानीय लोगों को हर रोज लगने वाले इस जाम का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा पूरा पुलिस प्रशासन मुझे फेल नजर आया, क्या पुलिस प्रशासन की ओर से अतिरिक्त पुलिस बल तैनात नहीं किया जा सकता है, क्या कमियां है मुख्यमंत्री को स्वयं देखना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने बताया कि मुझे त्रिवेणी घाट चौराहा से श्री गुरुद्वारा सिंह साहिब तक डेढ़ घंटे तक जाम में फंसा रहना पड़ा। जब गाड़ी आगे नहीं बढ़ी तो मैंने घाट चौराहा ऋषिकेश से एक मोटरसाइकिल वाले भाई से लिफ्ट ली और अपने गंतव्य तक पहुंचा।

बड़ा सवाल : प्रतिदिन वसूला जा रहा खोखा पटरी वालों से 30 रूपये का शुल्क

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

हरिद्वार। शिवालिक नगर पालिका परिषद द्वारा नवोदय नगर में खोखा पटरी वालों से की जा रही है वसूली। एक तरफ उत्तराखंड सरकार हाईकोर्ट के आदेश पर अवैध अतिक्रमण को हटाने पर आमदा है, ओर दूसरी और शिवालिक नगर पालिका परिषद अवैध अतिक्रमण से वसूली कर रही है। इसका उदाहरण नवोदय नगर में गोल चक्कर के आसपास एवं आईएमसी चौक के आसपास खोखा पटरी वाले हैं, जिनसे शिवालिक नगर पालिका द्वारा प्रतिदिन 30 का शुल्क लिया जाता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह शुल्क किसकी जेब मे जा रहा है, जो कि हजारों में है। दूसरी ओर खोखा पटरी वालों ने बताया कि अगर हम शुल्क नहीं देते हैं, तो हमें हमारा खोखा हटाने की धमकी नगरपालिका से दी जाती है। एक तरफ नवोदय नगर व्यापार मंडल के दुकानदार हैं जो प्रतिमाह हजारों का किराया देकर, लाखों का सामान दुकान में भर रखे हैं, दूसरी ओर शिवालिक नगर पालिका खोखा पटरी वालों को बढ़ावा देकर इनसे वसूली कर रही है।

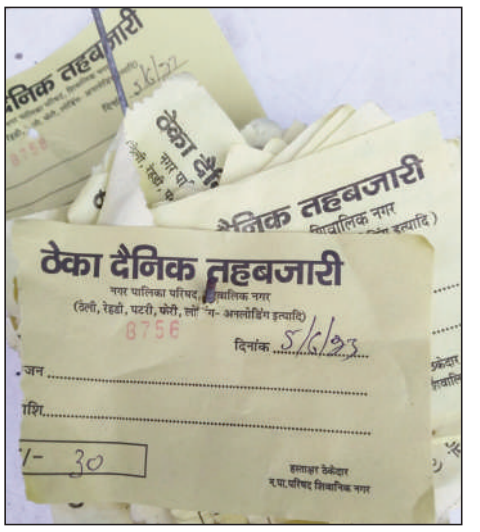

नाबालिग छात्रा को भगाने और सौहार्दपूर्ण माहौल को बिगाड़ने को लेकर मुख्यमंत्री धामी गंभीर

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

लव जिहाद और लैंड जिहाद को लेकर प्रदेश सरकार पूरी तरह से सख्त है।

मुख्यमंत्री बोले देवभूमि में इस तरीके की हरकतों को नहीं होने दिया जाएगा।

देहरादून। नाबालिग छात्रा को भगा ले जाने और जिले में सौहार्दपूर्ण माहौल को बिगाड़ने को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गंभीर है। चिन्यालीसौड़ में पत्रकारों के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि लव जिहाद और लैंड जिहाद को लेकर प्रदेश सरकार पूरी तरह से सख्त है। देवभूमि में इस तरीके की हरकतों को नहीं होने दिया जाएगा। ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई भी हो रही हैं। कानून अपना काम कर रहा है। लेकिन, जो सौहार्द व कानून व्यवस्था बिगाड़ने और माहौल खराब करने का प्रयास करेगा, उनसे भी सख्ती से निपटा जाएगा।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को जल विद्युत निगम के गेस्ट हाउस परिसर में भाजपा के महाजनसपंर्क अभियान में शामिल हुए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से लाए गए टिफन भोजन को बैठकर ग्रहण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चोपड़धार चिन्यालीसौड़ पहुंचे। नागराज मंदिर में भगवान नागराज प्रकट दिवस के अवसर पर आयोजित आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक मेले 'गो महोत्सव' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मंदिर परिसर में कथावाचक गोपाल मणि महाराज की कथा में शामिल हुए। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने नागराज मंदिर तक पैदल एवं सड़क मार्ग का निरीक्षण किया। मार्गों को शीघ्र विकसित किए जाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोपाल मणि महाराज के प्रयासों से देश-विदेश में सनातन संस्कृति को संवारने एवं लोगों में गौ सेवा का भाव पैदा हो रहा है। प्राचीन भारतीय संस्कृति में गाय को मां का दर्जा प्राप्त है। गाय हमारी संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है। जो लोग गाय पालते हैं उनके पास धन संपदा की कोई कमी नहीं रहती।

जन-समस्याओं के निस्तारण में कहीं पर भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी : धीराज सिंह गब्र्याल

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

आम जन की समस्याओं के निराकरण के लिए हुआ 'तहसील दिवस' का आयोजन

'तहसील दिवस' में 64 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से कई का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया

हरिद्वार। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल की अध्यक्षता में मंगलवार को तहसील हरिद्वार के सभागार में आम जन की समस्याओं के निराकरण के लिए ''तहसील दिवस'' का आयोजन किया गया। ''तहसील दिवस'' में कुल 64 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से कई का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया तथा शेष अनुरोध पत्रों को प्रकरण के निस्तारण में लगने वाले समय के अनुसार संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। इस मौके पर जिलाधिकारी ने पूर्व तहसील दिवस में आई हुई समस्याओं के निस्तारण के सम्बन्ध में भी सम्बन्धित अधिकारियों से जानकारी ली तथा निर्देश दिये कि जन-समस्याओं के निस्तारण में कहीं पर भी ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

तहसील दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों में राजस्व, विद्युत, पुलिस, जमीन की पैमाइश, अवैध अतिक्रमण हटाये जाने, सजरा/खतौनी में संशोधन, सम्पत्ति में नाम दर्ज करने, आय प्रमाण पत्र, राशन कार्ड आदि से सम्बन्धित प्रमुख प्रकरण प्राप्त हुये। ''तहसील दिवस'' में सुलेख चन्द उर्फ सुकुल चन्द सिंह ग्राम जगजीतपुर, महिपाल सिंह आन्नेकी हेतमपुर, रजनेश देवी ग्राम नन्हेड़ा अनन्तपुर एवं इलम चन्द निवासी सलेमपुर महदूद ने जमीन की पैमाईश के सम्बन्ध में अपने-अपने प्रकरण जिलाधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत किये। इस पर जिलाधिकारी ने पैमाइश करने के निर्देश अधिकारियों को दिये तथा कहा कि इसकी रिपोर्ट एक सप्ताह में देना सुनिश्चित करें। कमला देवी कड़च्छ ज्वालापुर ने एचआरडीए द्वारा लोन की पत्रावली बैंक को अभी तक न भेजे जाने के सम्बन्ध में अपना आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर जिलाधिकारी एचआरडीए के अधिकारियों को त्वरित गति से कार्रवाई करने तथा एक सप्ताह में प्रकरण का निस्तारण कर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। डॉ. जसवीर सिंह आर्यनगर ज्वालापुर ने उनकी एक सम्पत्ति के सम्बन्ध में भू-माफिया, पुलिस तथा बैंक की मिलीभगत होने की शिकायत जिलाधिकारी से की। जिलाधिकारी ने प्रकरण को सुनन के बाद एसडीएम हरिद्वार को नियमानुसार यथाशीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी को सुधा घासनमण्डी ने बताया कि वह तहसील हरिद्वार में सफाई कर्मचारी के रूप में कई वर्षों से कार्य कर रही हैं, लेकिन अभी तक उन्हें स्थाई नहीं किया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने नियमानुसार प्रकरण का निस्तारण करने के निर्देश एसडीएम हरिद्वार को दिये। शशिकान्त शर्मा ग्राम नगला ने बिजली की केबिल बदले जाने तथा विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में जिलाधिकारी को अवगत कराया। इस पर जिलाधिकारी ने प्रकरण की जांचकर एक सप्ताह में कार्यवाही कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। गजेन्द्र सिंह ग्राम रोहालकी ने खतौनी में विरासत दर्ज करते समय नाम गलत हो जाने का प्रकरण तहसील दिवस में रखा। इस पर जिलाधिकारी ने दस दिन के भीतर (33/49) के तहत कार्रवाई कर, रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। तहसील दिवस में मोहम्मद आरिफ कोटखान ज्वालापुर ने तहसील परिसर में अनधिकृत/अवैध दुकान को हटाने का अनुरोध जिलाधिकारी से किया। इस पर जिलाधिकारी ने नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

सुमन कुमार शिवालिक नगर ने जिलाधिकारी को बगल में बने मकान की दीवार से पोर्च तथा फर्श को नुकसान होने के सम्बन्ध में बताया। इस पर जिलाधिकारी ने तत्काल मौके पर निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। इसी तरह तहसील दिवस में सुनील राजौर घासमण्डी द्वारा महर्षि वाल्मीकि समाज उत्थान समिति के चुनाव कराये जाने, परविन्दर कुमार ज्वालापुर द्वारा पानी की लाइन बिछाये जाने, नाग सिंह कश्यप द्वारा मत्स्य तालाब का आवंटन किये जाने, बेगमा गाजीवाली द्वारा राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने, पप्पू सिंह पाटिल ग्राम सलेमपुर महदूद द्वारा कुंए तथा आसपास से अवैध अतिक्रमण हटाये जाने, डॉ. हिमांशू द्विवेदी ज्वालापुर द्वारा अतिक्रमण हटाने तथा अवैध व्यापार के सम्बन्ध में, अध्यक्ष तहसील अधिवक्ता एसोसिएशन द्वारा दाखिल खारिज के बारे में, जावेद निवासी अहवाद ने जमानत के सम्बन्ध में, राकेश कुमार पीतपुर द्वारा सड़क चौड़ीकरण व गड्ढामुक्त किये जाने के बारे में, जोगा सिंह दिनारपुर द्वारा प्रमाण पत्र निरस्त किये जाने, नाजिम हुसैन मोहम्मदपुर कुम्हारी एवं राकेश कुमार पीतपुर द्वारा स्कूल का उच्चीकरण किये जाने, के सम्बन्ध में अपना-अपना पक्ष रखा।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी ने 70 बाल विधायकों से सीधा संवाद कर उनका मार्गदर्शन किया

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग व प्लान इंडिया इंटरनेशनल के तत्वावधान में आयोजित बाल विधानसभा में उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने पहुंचकर 70 बाल विधायकों से सीधा संवाद कर उनका मार्गदर्शन किया। इस मौके पर ऋतु खडूडी ने विधानसभा के सत्र संचालन एवं विधायी कार्यों से जुड़ी जानकारी बाल विधायकों के साथ साझा की। विधानसभा अध्यक्ष ने आयोजन समिति को बाल विधानसभा का सत्र भराड़ीसैण विधानसभा भवन में आयोजित करने का सुझाव दिया था जिसपर समिति ने बाल विधानसभा का द्वितीय सत्र भराड़ीसैण विधानसभा भवन के परिसर में आयोजित किया।

चतुर्थ बाल विधान सभा 2022 के द्वितीय सत्र के कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी बाल विधायकों को सम्बोधित किया गया, जिसमें विधानसभा की कार्यवाही व प्रश्नकाल सत्र के सम्बन्ध में प्रतिभागियों से वार्ता की गई। प्रतिभागी बाल विधायकों द्वारा विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण से प्रश्नकाल व विधानसभा की प्रकिया से सम्बन्धित मुद्दो

पर विस्तृत रूप से बातचीत कर अपने सवाल का संतोषजनक उत्तर प्राप्त किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने कहा कि बाल विधानसभा के यह 70 बाल विधायक प्रदेश के लाखों बच्चों के साथ-साथ देश के भविष्य के भी प्रतिनिधि हैं। ऐसे जागरूक बच्चे देश की समस्याओं के समाधान और भविष्य में नीति निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे।ह विधानसभा अध्यक्ष ने कहा की बाल विधानसभा के आयोजन के दौरान, बच्चों को लोकतंत्र, सरकार, चुनाव, वक्ता का महत्व, नीतियों का प्रभाव, और न्यायपालिका के रोल के बारे में सीखने का मौका मिलता है।

विधानसभा में होने वाली वक्तव्यों, वोटिंग प्रक्रिया, और संविधान के महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में जानकारी उन्हें मिलती है। बाल विधानसभा बच्चों को समाजिक और राजनीतिक मुद्दों के बारे में सोचने, विचार करने और अपने विचारों को व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। बता दें कि बाल विधानसभा का दो दिवसीय सत्र रविवार से गैरसैंण विधानसभा भवन के परिसर में शुरू हुआ। बाल विधानसभा में चयनित 70 बाल विधायकों द्वारा बाल मुख्यमंत्री, बाल विधानसभा अध्यक्ष, बाल नेता प्रतिपक्ष के अलावा बाल कैबिनेट मंत्रियों का निर्वाचन किया जाता है। इसके बाद बाल विधानसभा का गठन किया जाता है जिसमें राज्य के ज्वलंत मुद्दों, रजनीतिक गतिविधियों, स्वास्थ्य मिशन, कानून व न्याय व्यवसथा, पेयजल, विद्युत समेत विभिन्न समस्याओं पर बाल सदन में चर्चा होती है। बाल मुख्यमंत्री रोहित परियार,बाल उपमुख्यमंत्री दीक्षा खर्कवाल,बाल विधानसभा अध्यक्ष श्याम पाठक, बाल विधानसभा उपाध्यक्ष भूमिका रौथान सहित सभी 70 बाल विधायकगणों ने विधानसभा में चर्चा की। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण, कर्णप्रयाग विधायक अनिल नौटियाल, बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा० गीता खन्ना,बाल अधिकार संरक्षण आयोग के प्रभारी सदस्य विनोद कपरवाण, प्लान इण्डिया के अधिकारी गोपाल थपलियाल, ब्लॉक प्रमुख गैरसैंण शशि सोरीयाल ,नगर पंचायत अध्यक्ष पुष्कर सिंह रावत,जिला पंचायत सदस्य बलबीर सिंह, मंडल अध्यक्ष कस्तूरबा देवी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गांधीनगर की बीमार महिला को एक बार फिर सड़क न होने का भोगना पड़ा खामियाजा

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

मुनस्यारी। मुनस्यारी के गांधीनगर निवासी अनीशा देवी/सुनील कुमार निवासी ग्राम गांधी नगर उम्र 20 वर्ष आज सुबह कपड़े धोते समय अचानक घर से दूर 200 मीटर की दूरी पर गांव के सार्वजनिक धारे पर कपड़े धोते समय अचानक

बिहोशी दशा में मिली आस पास के लोगों के देखने पर उनके परिजनों को इसकी सूचना दी। जिसके बाद गांव वासियों ने वहां से लाकर डोली के सहारे सड़क तक ले आए रास्ते में कई परेशानियों का सामना करते हुए सीपीआर देकर सड़क तक पहुंचाया आज भी सड़क नही होने से ग्रामीण रोज आए दिन इस प्रकार की घटना से जूझने को मजबूर हैं।चाहे किसी की तबियत ,या गर्भवती महिलाओं की समस्या हो रोजाना सड़क की कमी खलती है।यह गांव तीन स्वतंत्रता सेनानीयों का है उसके बावजूद यहां अभी तक सड़क नहीं बन सकी है।जब की दोनों मुख्य मंत्री पुष्कर धामी और हरीश रावत द्वारा सड़क की घोषणा की जा चुकी है ।

हरिद्वार जेल में बंद काजल पुरी ने पत्र भेजकर जमानत कराने की गुहार लगाई

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

हरिद्वार। कई सालों से हरिद्वार जेल में बंद काजल पुरी ने एक विशिष्ट जन को जेल से पत्र भेजकर उसकी व उसके परिवार की जमानत कराने की गुहार लगाई है। बता दें कि काजल पुरी पत्नी दीपक पुरी निवासी बैरागी कैंप कई वर्ष से जमानत न मिलने के कारण जेल में बंद हैं। काजल पुरी पर देहव्यापार का संचालन करने का आरोप है। पत्र में काजल पुरी ने लिखा है कि एक षडयंत्र के तहत उसे फंसाया गया है। उसने दो भगवाधारियों पर षडयत्र का आरोप लगाते हुए अपनी व्यथा को व्यक्त किया। काजल पुरी ने पूर्व में कनखल शमशान घाट पर उस पर हुए गोलीकांड का भी जिक्र किया है। साथ ही एक अन्य लड़की की जिंदगी खराब करने का भी उसने भगवाधारियों पर आरोप लगाया है। काफी लम्बे लिखे पत्र में उसने गहरे षडयंत्र की ओर इशारा करते हुए जेल में बंद पड़े उसके परिवार व स्वंय की जमानत कराने का अनुरोध किया है। जिस प्रकार से काजल पुरी ने बाबाओं पर जमकर भड़ास निकाली और उन पर ऊंगली उठाई वह वाकई सनातनियों के लिए सोचने का विषय है। किस व्यक्ति को पत्र भेजा गया है उसकी पहचान छिपाने के लिए पत्र को अंतिम पैरा ही प्रदर्शित किया गया है।

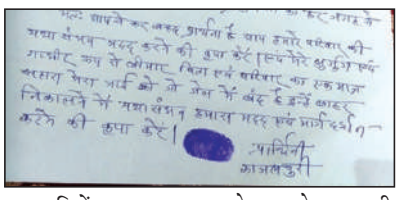

खानपुर विधायक और पूर्व विधायक में जुबानी जंग जारी, एक दूसरे पर लगा रहे आरोप

हरिद्वार, उत्तराखंड प्रहरी। खानपुर विधायक और पूर्व विधायक के समर्थकों के बीच चल रही जुबानी जंग में पूर्व विधायक समर्थकों ने वर्तमान विधायक पर हमला बोला है। इसके साथ ही बीते दिनों गुर्जर और ब्राह्मण समाज की हुई पत्रकार वार्ता के संबंध में उन्होंने कहा कि चार व्यक्ति पूरे समाज के ठेकेदार नहीं हो सकते। उन्होंने दावा किया कि आज भी पत्रकार वार्ता में 36 बिरादरियों के लोग हैं और सभी पूर्व विधायक कुंवर प्रणव के साथ तन, मन, धन से हैं। रुड़की के प्रशासनिक भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित

करते हुए मंडी समिति के पूर्व चेयरमैन चौधरी भीम सिंह ने कहा कि खानपुर विधायक उमेश कुमार समाज में भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। रोज किसी न किसी समाज के नाम पर चार लोगों को बैठाकर पत्रकार वार्ता करवाते हैं और विकास पुरुष कुंवर प्रणव सिंह पर अनर्गल बयानबाजी करके आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज के चार व्यक्ति पूरे समाज के ठेकेदार नहीं हो सकते। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पत्रकार वार्ता की थी उनमें से कई लोग ग्राम पंचायत चुनाव में हारे हुए प्रत्याशी हैं और जिनके हाथ में किसी को वोट डलवाना नहीं है। उन्होंने कहा कि खानपुर विधायक और उसके समर्थक क्षेत्र में फैला रहे हैं कि पूर्व विधायक द्वारा 20 वर्षों में कोई विकास कार्य नहीं किए गए।

अवैध कब्जा: नगर निगम के नालों पर चल रहा रेत, बजरी, टाइल्स और ईट का कारोबार

उत्तराखंड प्रहरी

हरिद्वार। शहर में अवैध अतिक्रमण की समस्या नासूर बनी है। जिन स्थानों पर पिछले दिनों अतिक्रमण पर प्रशासन का डंडा चला था, वहां दोबारा अतिक्रमण हो गया है। अतिक्रमणकारियों ने नगर निगम के नालों तक को नहीं छोड़ा है। जगजीतपुर आईटीआई के सामने बिना अनुमति के रेत, बजरी और ईंट व्यवसाईयों ने नगर निगम के नाले पर कब्जा जमा रखा है। लेकिन, जिम्मेदारों का इस ओर ध्यान नहीं है। हर वर्ष हरिद्वार शहर में कांवड मेला होता है। कांवड़ मेले से पहले सभी अतिक्रमणकारियों को प्रशासन की ओर से कार्रवाई कर खदेड़ दिया जाता है, लेकिन मेला खत्म होने के बाद फिर अतिक्रमणकारी अपने-अपने पुराने स्थानों पर अतिक्रमण कर देते हैं। जिससे प्रशासन के समस्या जस की तस बनी रहती है। इसके अलावा जिला, मेला और महिला अस्पताल जाने के लिए भी आम शहरी इसी मार्ग का प्रयोग करते हैं। यहां नाले-नालियों और फुटपाथों पर कब्जा कर भोजनालय, टी स्टाल आदि संचालित किया जा रहा है। अतिक्रमण से सड़क सिकुड़ गयी है।जिसके

चलते हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। लोगों को आवाजाही में परेशानी होती है। तत्कालीन जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय ने पूर्व में लोनिवि, नगर निगम, सिंचाई विभाग आदि को अतिक्रमण चिह्नित कर चरणबद्ध तरीके से अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए थे, लेकिन जिम्मेदार महकमा अब भी हाथ पर हाथ बांधे है। शहर में जगजीतपुर आईटीआई के सामने अतिक्रमण के चलते नाला सफाई में व्यवधान पहुंच रहा है। नाले नालियों की समुचित सफाई नहीं हो पा रही है। यहां नगर निगम के नालो के ऊपर अवैध कब्जा किया गया है। नगर निगम प्रशासन भी इस ओर से मुंह फेरे है। इस संबंध में जब नगर निगम हरिद्वार के नगर आयुक्त दयानंद सरस्वती से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उन्होंने फोन तक नहीं उठाया। जिससे नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों का रवैया कैसा है, यह साफतौर पर दिख रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण

हरिद्वार। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वागत सामाजिक संस्था ने पौधारोपण कर जनता को पर्यावरण बचाने का संदेश दिया है।

संस्था की कोषाध्यक्ष तबस्सुम सिद्दीकी ने कहा कि सभी को अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण की रक्षा में अपना योगदान देना चाहिए। साथ ही लोगों को पौधारोपण के साथ उनकी समय-समय पर देखभाल करने का संदेश देना चाहिए। इस अवसर पर आंचल, कोमल, करीना, तानिया, शैली, महक, सुमन, सानिया, पिंकी, नेहा, ललिता, छाया उपस्थित रहे।

आंदोलन नहीं छोड़ेंगे पहलवान, नौ जून को भारतीय किसान यूनियन का दिल्ली कूच का कार्यक्रम स्थगित

रेवाड़ी। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल रेसलर्स साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट सोमवार को अपनी रेलवे की नौकरी पर लौट गए, जिसके बाद दावा किया गया कि पहलवानों ने आंदोलन का रास्ता छोड़ दिया है। पहलवानों के ड्यूटी पर लौटने के बाद खबर आई कि बृजभूषण पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली नाबालिग रेसलर अपने बयान से पलट गई है। दावे के मुताबिक, नाबालिग ने दिल्ली के कनॉट प्लेस पुलिस थाने में बयान दिए। इसके बाद उसे पटियाला हाउस कोर्ट ले जाया गया, जहां उसने बयान वापस ले लिया। तीनों रेसलर ने भी आंदोलन से नाम वापस ले लिया है। इन दावों पर पलटवार करते हुए बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट ने ट्वीट कर कहा कि हमारे मेडलों को 15-15 रुपए के बताने वाले अब हमारी नौकरी के पीछे पड़ गए हैं। हमारी जिंदगी दांव पर लगी हुई है, उसके आगे नौकरी तो बहुत छोटी चीज है।

अगर नौकरी इन्साफ के रास्ते में बाधा बनती दिखी, तो उसको त्यागने में हम 10 सेकेंड का वक्त भी नहीं लगाएंगे। नौकरी का डर मत दिखाइए। विनेश फोगाट ने आगे लिखा कि महिला पहलवान किस ट्रॉमा से गुजर रही हैं, इस बात का अहसास भी है फर्जी खबर फैलाने वालों को? कमजोर मीडिया की टांगें हैं, जो किसी गुंडे के हंटर के आगे कांपने लगती हैं, महिला पहलवान नहीं। साक्षी मलिक ने भी ट्वीट करके आंदोलन छोड़ने की खबरों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि इनसाफ मिलने तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने नाबालिग आरोपी द्वारा आरोप वापस लेने की खबरों का भी खंडन किया। बजरंग पूनिया ने भी कहा कि एफआईआर वापस लेने वाली बात झूठी है। हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

नौ जून को दिल्ली कूच का कार्यक्रम स्थगित

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार ने पहलवानों की बातचीत शुरू की है। खिलाड़ियों ने ताकत दिखाई है, जिसका असर देखने को मिला है। मुंडलाना में रविवार को बजरंग पूनिया ने कहा था कि अभी आगे का निर्णय नहीं लेना है, जब पहलवान कोई बैठक बुलाएंगे या कोई निर्णय लेंगे, तो हम सभी एकत्र होंगे। ऐसे में पहलवानों को दिल्ली ले जाने का नौ जून का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि गांव और देहात में तैयारी रखें। पहलवान जो भी निर्णय करेंगे, उसके बाद भविष्य की रणनीति तय की जाएगी।

देश की टॉप 10 यूनिवर्सिटी में नहीं है डीयू का नाम, जेएनयू दूसरे नंबर पर, बीएचयू का 5वां स्थान

नई दिल्ली। एनआईआरएफ रैंकिंग 2023 जारी कर दी गई है. गौरतलब है कि यह केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से भारत के शैक्षणिक संस्थानों को दी जाने वाली रैंकिंग है. जिसमें ओवरऑल कैटिगरी से लेकर अलग-अलग कैटिगरी में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को रैंकिंग दी जाती है. एनआईआरएफ रैंकिंग 2023 के अनुसार ओवरऑल हमारे देश का सर्वश्रेष्ठ संस्थान है आईआईटी मद्रास. वहीं विश्वविद्यालयों में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस नम्बर 1 पर है। हांलाकि हमारे देश के बेहतरीन विश्वविद्यालयों में से एक दिल्ली विश्वविद्यालय, टॉप -10 में अपनी जगह नहीं बना पाया है. जहां विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में दिल्ली यूनिवर्सिटी को 11वां स्थान मिला है. वहीं ओवरऑल कैटिगरी में डीयू 22वें स्थान पर है. लेकिन विश्वविद्यालय के रैंकिंग में पिछले साल के मुक़ाबले सुधार ज़रूर हुआ है, क्योंकि पिछले साल ओवरऑल कैटिगरी में दिल्ली विश्वविद्यालय देश में 23वें स्थान पर था और विश्वविद्यालयों के लिस्ट में 13वें नंबर पर था।

इन विश्वविद्यालयों ने बनाई जगह

हांलाकि टॉप 10 विश्वविद्यालयों की लिस्ट में जवाहर-लाल नेहरू विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया एवं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों ने जगह बनायी है. इसके अलावा यूपी की अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को 9वां स्थान मिला है. वहीं पश्चिम बंगाल के जादवपुर यूनिवर्सिटी और हैदराबाद की हैदराबाद विश्वविद्यालय ने भी सूची में जगह बनाई है।

एनआईआरएफ रैंकिंग के अनुसार टॉप-10 कॉलेजों की लिस्ट नीचे देखें-

- आईआईएससी बैंगलोर
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू)
- जामिया मिलिया इस्लामिया
- जादवपुर विश्वविद्यालय
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
- मणिपाल अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन
- अमृता विश्व विद्यापीठम
- वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- हैदराबाद विश्वविद्यालय

कारोबार

सोने-चांदी के दाम गिरे, पीली धातु प्रति 10 ग्राम 60 हजार के नीचे

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक आज सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने का दाम 707 रुपए गिरकर 59,601 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 54, 595 रुपए हो गई है। आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार आज चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ये 935 रुपए सस्ती होकर 71,423 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 72, 358 रुपए पर थी। इस साल अब तक सोने में शानदार तेजी देखने को मिली है। इस साल की शुरुआत यानी 1 जनवरी 2023 को ये 54, 867 रुपए प्रति 10 ग्राम पर थाए जो अब 59,601 रुपए पर है। यानी इसके दाम में 4,734 रुपए की तेजी आई है।

अगर आप इन दिनों सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तोए ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना बेचने पर रोक लगा दी गई है। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी भ्न्प्क कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है। एजैड 4524आई हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है। आप सोना और चांदी का भाव आसानी से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देना है।

Hero ने नए एडिशन में लांच की HF Deluxe

नई दिल्ली। बाइक निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने ग्राहकों की डिमांड को देखते हुए अपनी लोकप्रिय बाइकों में से एक HF Deluxe को नए एडिशन में लांच किया है। कंपनी ने बाइक को कुछ अपडेट के साथ नए अवतार के साथ दो वेरिएंट में लांच किया है। HF Deluxe ग्राहकों को किक स्टार्ट और सेल्फ स्टार्ट दोनों में उपलब्ध कराई जा रही है। बाइक की कीमत की बात करें तो किक स्टार्ट वेरिएंट की शोरूम कीमत 60,760 रुपए है जबकि सेल्फ स्टार्ट वेरिएंट की कीमत 66,408 रुपए है। खास बात यह है कि आप इस बाइक को 7777 रुपए की डाउन पेमेंट देकर घर ले जा सकते हैं। ये ऑफर हीरो के सभी शोरूम में उपलब्ध है।

कंपनी ने बाइक को 4 नए कलर ऑप्शन के साथ पेश किया है, जिसमें नेक्सस ब्लू, कैंडी ब्लेजिंग रेड, ब्लैक के साथ हैवी ग्रे और स्पोर्ट्स रेड के साथ ब्लैक कलर शामिल है। इसके साथ ही एक नया कैनवास ब्लैक वेरिएंट भी पेश किया गया है।

नई HF Deluxe के इंजन की बात करें तो ये चार स्पीड गियरबॉक्स के साथ आता है जो 7.9bhp और 8Nm का टार्क जनरेट करता है। इंजन फ्यूल इंजेक्टेड है और इसमें i3S तकनीक भी दी गई है। बाइक की माइलेज की बात करें तो कंपनी का दावा है कि यह बाइक एक लीटर पेट्रोल में 70 किलोमीटर की माइलेज देगी। HF Deluxe में पावर देने के लिए 97.2 सीसी एयर-कूल्ड, 4-स्ट्रोक, सिंगल-सिलेंडर लगा हुआ है। इसमें साइड स्टैंड इंडिकेटर भी मिलता है, जो कंपनी क्रोम लेग गार्ड और टो गार्ड देती है। इसमें 18 इंच के अलॉय व्हील, टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स, डुअल रियर शॉक्स, ड्रम ब्रेक, इलेक्ट्रिक स्टार्ट, एनालॉग इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ट्यूबलेस टायर्स और भी बहुत कुछ मिलता है।

आरबीआई की समीक्षा डालेगी असर, मौद्रिक नीति समीक्षा बाजार में कीमतें होंगी प्रभावित

मुंबई। बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह मामूली बढ़त पर रहे घरेलू शेयर की अगले सप्ताह दिशा निर्धारित करने में रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा, कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से निर्धारित होगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 45.42 अंक की मामूली बढ़त के साथ सप्ताहांत पर 62547.11 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 34.75 अंक बढ़कर 18534.10 अंक पर पहुंच गया।

संपादकीय

आंदोलनों में फंसा विकास

कहीं हिमाचल के विकास मॉडल में कमी रही या भविष्य के लिए विकास को बेरोजगार करने की मुहिम छिड़ी है। जहां कहीं विकास अपनी अधोसंरचना में नए रोजगार-नए अवसर की तलाश शुरू करता है, हिमाचल में विरोध की गलियां उभर आती हैं। खास तौर पर जहां ताल्लुक पर्यटन को संवारने का है, वहां भी विरोध के नाम पर विरोध उभर आता है। ताजातरीन उदाहरण बिजली महादेव रज्जु मार्ग का है जहां विरोध की खेप में, पर्यटन विकास की इच्छाशक्ति के खिलाफ समाज के एक वर्ग का रोष मुखालफत कर रहा है। कुल्लू घाटी के पर्यटन को नए आयाम पर ले जाने के लिए यह जरूरी रहा है कि कुछ अभिनव प्रयोग किए जाएं। इसी दृष्टि से पहले जब ऐसी ही महत्त्वाकांक्षी परियोजना, 'स्की विलेज' की परिकल्पना में अंतरराष्ट्रीय डेस्टिनेशन की छलांग लगाना चाहती थी, जनता के स्वार्थी तत्वों ने देवी-देवताओं को भी अखाड़े पर लगा दिया। नतीजतन 'स्की विलेज' परियोजना ही ध्वस्त नहीं हुई, बल्कि हिमाचल में हाई एंड टूरिज्म की एक बड़ी संभावना भी नष्ट हो गई। इसी परिप्रेक्ष्य में बिजली महादेव रज्जु मार्ग परियोजना भी अपने साथ आर्थिक संभावनाओं का पहाड़ खोजना चाहती है, लेकिन फिर उसी देव संस्कृति के बहाने माहौल को उद्वेलित किया जा रहा है। हो सकता है परियोजना के वर्तमान स्वरूप से कुछ शिकायतें रही हों या कुछ पंचायतों के हित आड़े आ रहे हों, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि पूरी परिकल्पना को चौपट कर दिया जाए। प्रभावित समाज की शिकायतें व ख्वाहिशें अगर भविष्य के प्रति घंटी बजा रही हैं, तो उसका समाधान जायज है, लेकिन हो हल्ला इतना न हो कि भविष्य के बड़े लक्ष्य पीछे छूट जाएं। इसी प्रदेश में धूमल सरकार ने ऊना में विशेष आर्थिक जोन के तहत हवाई अड्डे की एक बड़ी परिकल्पना तैयार की थी, लेकिन गैर वाजिब आंदोलनों ने आर्थिकी के इस अवसर को जमींदोज कर दिया। हिमाचल का विकास अब एक बड़े कैनवास पर ही उकेरा जा सकता है, इसलिए परिवर्तन होंगे। भविष्य की सही दिशा और रफ्तार पकडने के लिए प्रदेश को अपने विकास की दिशाएं बदलनी पड़ेंगी।

ये दिशाएं मेगा परियोजनाओं से ही सामने आएंगी, जो अगले सौ सालों की तरक्की को परिभाषित करेंगी। मसलन कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार अगले सौ सालों की तरक्की से मुखातिब होगा, तो निवेश की नई संभावनाएं भी सामने आएंगी। कमोबेश ऐसी ही परिस्थिति में विकसित हो रही फोरलेन परियोजनाएं भी आने वाले कल के आर्थिक अवसर बदल देंगी। स्की विलेज से बिजली महादेव रोप-वे तक पहुंचते-पहुंचते यह तो साबित हो गया कि हिमाचल में एक वर्ग ऐसा भी है जो विकास की शक्ति और संभावना को क्षीण कर सकता है। सबसे गैरजरूरी व गंभीर प्रश्न यह है कि परियोजना या विकास विरोधी राजनीति देव परंपरा को बंधक बना रही है, जबकि यथार्थवादी दृष्टिकोण से देखें तो आज का इनसान परंपराओं और संस्कृति के विरोध में कुछ भी करने को तैयार है, बशर्ते भौतिक उपलब्धियां एक तरफा हो जाएं।

दो हजार के नोट की वापसी कितनी सही

डा. अश्विनी महाजन

आठ नवंबर 2016 की शाम 8:00 बजे जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संदेश के जरिए 500 रुपए और 1000 के नोटों की वैधानिक वैधता को समाप्त करने का निर्णय लोगों से साझा किया तो पूरा देश चकित हो गया था। नोटबंदी के कारण कठिनाइयों के बावजूद आम जनता का भरपूर समर्थन इस निर्णय को मिला। हालांकि विपक्षी दलों ने इस बाबत जोर-शोर से विरोध किया, लेकिन आम जनता ने इस नोटबंदी को कालेधन, भ्रष्टाचार, नकली करैंसी, आतंकवाद, नक्सलवाद और पत्थरबाजी के विरुद्ध एक युद्ध के हथियार के रूप में स्वीकार किया। कुछ कठिनाइयों के बाद देश में नगदी बहाल हुई, लेकिन उस समय देश में वैधानिक नगदी की पर्याप्त उपलब्धता बनी रही, उसके लिए केंद्र सरकार ने 500 और 1000 के पुराने नोटों के बदले में 500 और 2000 के नोटों का चलन शुरू कर दिया। गौरतलब है कि उस समय देश में कुल 17.74 लाख करोड़ रुपए की करैंसी जनता के पास थी जिसमें से 85 प्रतिशत 500 और 1000 के नोटों के रूप में थी। 500 के नोटों के मुद्रण में देरी के कारण देश में करैंसी की कमी के कारण ज्यादा से ज्यादा 2000 के नोटों को जारी करना सरकार और रिजर्व बैंक की मजबूरी थी। गौरतलब है कि मार्च 2018 तक 2000 रुपए के नोट 6.73 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गए थे। बड़े नोटों के विमुद्रीकरण के नाम पर 2000 रुपए के नोट का जारी किया जाना विमुद्रीकरण की भावना के ही विरुद्ध था। इसलिए 2000 के नोटों की वापसी मार्च 2018 से ही शुरू हो गई थी। गौरतलब है कि प्रारंभ में चलन में आए 6.73 लाख करोड़ रुपए के 2000 के नोट मार्च 2023 तक मात्र 3.62 लाख करोड़ रुपए तक ही रह गए। कहा जा सकता है कि हालांकि सरकार ने 2000 के नोट जारी तो किए थे, लेकिन उसकी मंशा इन नोटों के चलन को धीरे-धीरे कम करने की ही थी। रिजर्व बैंक का कहना है कि 2000 के कुल जारी नोटों में से 89 प्रतिशत मार्च 2017 से पहले जारी किए गए थे, जो वैसे भी अपना समय काल पूरा कर चुके हैं। निष्कर्ष यह है कि 2000 रुपए के नोटों की वापसी कोई अचानक लिया गया निर्णय नहीं कहा जा सकता।

विमुद्रीकरण के बाद घटा है करैंसी का उपयोग : विपक्षी दल यह कहकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं कि सरकार का यह दावा कि वह विमुद्रीकरण का मकसद डिजिटल भुगतानों द्वारा 'लैस कैश' यानी नगदी के कम उपयोग की अर्थव्यवस्था की ओर आगे बढ़ाना था, सही सिद्ध नहीं हुआ क्योंकि उसके बाद तो नगदी की मात्रा बढ़ गई है। उनका कहना है कि विमुद्रीकरण के समय देश में कुल 17.74 लाख करोड़ रुपए की नगदी जनता के पास थी जो दिसंबर 2022 तक बढ़कर 32.42 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। लेकिन यह समझना होगा कि वर्ष 2015-16 में देश में चालू कीमतों पर जीडीपी मात्र 135 लाख करोड रुपए थी, जो 2022-23 में बढ़कर 272 लाख करोड़ रुपए पहुंच चुकी है। ऐसे में समझा जा सकता है कि जीडीपी के अनुपात में नगदी पूर्व में 13.14 प्रतिशत से घटती हुई अब मात्र 11.91 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

यानी डिजिटलीकरण का असर यह हुआ है कि देश में 'कैश' का चलन कम हो गया है। रिजर्व बैंक का यह कहना है कि सामान्य जनता के पास 2000 के बहुत कम नोट हैं। इसका मतलब यह भी है कि 2000 के जो नोट चलन में हैं, वे अधिकतर उन लोगों के पास हैं जिन्होंने अपने धन (या यूं कहें कि काले धन) को नकदी के रूप में रखा हुआ है। ऐसे में रिजर्व बैंक का कहना है कि इस निर्णय से बैंकों की जमा में भारी वृद्धि हो जाएगी। इससे सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता भी। ऐसा भी देखने में आया है कि 2000 रुपए के नोटों का उपयोग अपराधियों, आतंकवादियों और गैरकानूनी कार्यों में संलग्न लोगों द्वारा ज्यादा होता है। इन नोटों के बंद होने से कुछ हद तक इन गतिविधियों को लगाम भी लग सकेगी।

हिमाचल में जारी है प्लास्टिक का प्रदूषण

रमेश पठानिया

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस आते ही पूरे विश्व में तरह -तरह की गोष्ठियां, सम्मेलन और चर्चाएं होती हैं, फिर धीरे-धीरे यह खुमार उतर जाता है। ऐसा नहीं है कि विश्व के लोगों को पर्यावरण की चिंता नहीं है या जलवायु परिवर्तन या प्लास्टिक के प्रयोग के नुकसान नहीं पता, लेकिन इन सब बातों के बावजूद हम कहीं न कहीं चूक कर रहे हैं, जिसका भुगतान आने वाली पीढ़ियां आने वाले कई सालों तक करती रहेंगी। प्लास्टिक प्रदूषण के प्रति यह लड़ाई हमें गांव से बड़े स्तर पर पर शुरू करनी होगी। देश के किसी भी पर्यटक स्थल पर कूड़े और प्लास्टिक कचरे की मात्रा ज्यादा होती है क्योंकि बाहरी क्षेत्रों से आने वाले लोग सैर सपाटे के दौरान हर जगह अपनी निशानियां छोड़ जाते हैं जिनमें प्लास्टिक की पानी की खाली बोतलें, कांच की बोतलें, नमकीन के खाली पैकेट, नैपकिन्स, फोइल्स, गंदे कपड़े तथा और भी कई तरह का कचरा शामिल है। पहाड़ी इलाकों में यह समस्या ज्यादा होती है क्योंकि हर जगह से कूड़ा करकट इकठ्ठा करना मुश्किल होता है। ट्रैकिंग पर जाने वाले अधिकतर लोग हर ट्रैक पर बहुत सा प्लास्टिक का सामान छोड़ कर चले आते हैं। पहाड़ में लोग अक्सर कूड़ा सूखे नालों व बड़े गड्ढों में यहां वहां फैंक देते हैं, बहुत कम लोग कचरे को जलाते हैं। सूखे नालों में यह सब इकठ्ठा होता रहता है और फिर बरसात या बाढ़ घातक है। विश्व बैंक द्वारा जारी की गयी एक रिपोर्ट के अनुसार प्रत्येक वर्ष विश्व में 2.01 बिलियन टन कूड़ा म्युनिसिपल सालिड वेस्ट यानी शहरी ठोस कूड़ा आम नागरिकों द्वारा फैलाया जाता है।

प्रति व्यक्ति औसतन 0.74 ग्राम कूड़ा फैलाता है। इस कूड़े को ठीक से नष्ट या ठीक से पुनःचक्रित नहीं किया जाता। 2050 तक यह कूड़ा प्रतिवर्ष 340 बिलियन टन से ज्यादा हो जाएगा। जैसे ही विश्व की आबादी बढ़ेगी और मध्यम या निम्न वर्गीय जनसंख्या में वृद्धि होगी, यह समस्या और बढ़ेगी। गरीबी से किसी भी तरह से पूरी तरह छुटकारा पाना लगभग असंभव है। गरीब और अमीर के बीच का फासला इतना ज्यादा है कि इसे सरकार की बहुआयामी योजनाएं भी कम करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहीं। अगर विश्व के धनाढ्य लोग चाहें तो गरीबों का उत्थान कर सकते हैं, लेकिन ज्यादातर फोब्स और फाच्यून पत्रिकाओं की सूची या आवरण पृष्ठ पर आने वाले लोग ऐसा नहीं मानते। पेरिस जलवायु समझौता संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक जलवायु सम्मेलन (कॉप-21) के दौरान 12 दिसम्बर 2015 को पारित किया गया था। 4 नवम्बर 2016 को यह समझौता लागू हो गया था। पेरिस समझौते का मुख्य लक्ष्य औद्योगिक काल के पूर्व के स्तर की तुलना में वैश्विक तापमान में बढ़ोत्तरी को 2 डिग्री सेल्सियस से कम रखना है और 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिये विशेष प्रयास किये जाने हैं। तापमान सम्बन्धी इस दीर्घकालीन लक्ष्य को पाने के लिये देशों का लक्ष्य, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के उच्चतम स्तर पर जल्द से जल्द पहुंचना है ताकि उसके बाद वैश्विक स्तर में कमी लाने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। इसके जरिये 21वीं सदी के मध्य तक कार्बन तटस्थता (नैट कार्बन उत्सर्जन शून्य) हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। जलवायु कार्रवाई के लिए बहुपक्षीय प्रक्रिया में पेरिस समझौता एक अहम पड़ाव है। पहली बार कानूनी रूप से बाध्यकारी एक समझौते के तहत सभी देशों को साझा उद्देश्य की पूर्ति हेतु साथ लाया गया है ताकि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटा जा सके और अनुकूलन के प्रयास सुनिश्चित किये जा सकें। प्रसिद्ध पत्रिका 'न्यू साइंटिस्ट' में प्रो. स्टीव फ्लेचर, जो पोर्ट्समाउथ यूनिवर्सिटी में पर्यावरण, समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण के जानकार हैं, के अनुसार प्लास्टिक प्रदूषण से बचने का तरीका प्लास्टिक का न होना है, इसका उत्पादन और इसका प्रयोग बंद करना होगा। प्लास्टिक की चीजों को बदलना होगा, इनका प्रयोग कम करना होगा। इंगर एंडरसन जो संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की कार्यकारी निर्देशक हैं, उनके अनुसार विश्व के 175 देश प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति पाने के लिए अपना योगदान देने के लिए बचनबद्ध हैं। 2015 का यह सबसे बड़ा पर्यावरण समझौता है। पहाड़ों में निरंतर बढ़ता भवन निर्माण, प्लास्टिक की चीजों का अंधाधुंध इस्तेमाल, सीमेंट की खाली बोरियों को पहाड़ की ढलान से लुढ़का कर अपनी जिम्मेदारी से अलग हो जाना, पहाड़ी क्षेत्रों में किसी भी शहर के शुरू या अंत में कूड़े के पर्वतनुमा ढेर, सड़ांध और गंदगी न केवल बीमारियों को न्योता देती है बल्कि वहां के कूड़ा प्रबंधन के बारे भी कई कहानियां कहती है। मनाली में घुसते ही आप को बदबूदार कूड़े के ढेरों के बीच में से गुजरना पड़ता है। पतली कूहल में प्लास्टिक के ढेर लगे हैं। यही हाल दूसरे पहाड़ी शहरों का भी है। नदी नालों से बह कर प्लास्टिक महासागर में जाकर इक_ा हो जाता है। भारत की कोस्ट लाइन करीब 7516 किमी तक फैली है। यह प्लास्टिक न केवल समुद्री जीव जंतुओं की जान का दुश्मन होता है बल्कि कई बार फिर किनारे पर लौट आता है। समुद्र में हर साल 11 मिलियन मीट्रिक टन प्लास्टिक का कूड़ा आ जाता है।

समुद्र में पहले से ही 200 मिलियन मीट्रिक टन कूड़ा फैला है। 60 प्रतिशत पक्षी जो समुद्र की सम्पदा पर अपने खाने के लिए निर्भर हैं, उनमें प्लास्टिक के अंश पाए गए हैं। असंख्य कछुए और मछलियां प्लास्टिक प्रदूषण का शिकार हैं। पहाड़ों को प्लास्टिक मुक्त करना मुश्किल है, लेकिन असंभव नहीं। पर्यटकों, स्थानिय नागरिकों में प्लास्टिक और उसके नुकसानों के बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। पहाड़ों में प्लास्टिक कचरे को इकठ्ठा करने के कई केंद्र स्थापित करने होंगे। ताकि वहां से उस प्लास्टिक को पुनःचक्रित किया जा सके। बहुत सी गैर सरकारी संस्थाएं भी पहाड़ों में प्लास्टिक निवारण पर काम कर रही हैं, जिनमें प्रदीप सांगवान द्वारा संचालित एं हीलिंग हिमालयाज प्रमुख है। हिमाचल के कई क्षेत्रों से 800 टन से ज्यादा प्लास्टिक का कचरा इक_ा कर चुके हैं जिनमें गाँव, शहर, पहाड़, ट्रैक्स और पर्वतीय रास्ते शामिल हैं। हिमाचल सरकार को प्लास्टिक कचरे के निवारण को बहुत गंभीरता से लेना होगा। प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन के लिए नई योजनाओं और धनराशि का प्रावधान करना होगा। तभी पहाड़ इस दानव से सुरक्षित रह पाएंगे।

वैधानिक सूचना
उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठेस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

छोटी खबरें

पहलवानों के लिए जोगिंद्रनगर में गरजे किसान; केंद्र के खिलाफ नारेबाजी, जलाया सांसद का पुतला

जोगिंद्रनगर। महिला रेस्लर्स के साथ हुए यौन उत्पीडऩ तथा प्रताडऩा के खिलाफ हिमाचल किसान सभा की जोगिंद्रनगर कमेटी द्वारा कई स्थानों पर प्रदर्शन आयोजित किए तथा आरोपी सांसद बृजभषण के पुतले भी जलाए। अलग-अलग स्थानों पर हुए प्रदर्शनों में किसान नेताओं कुशाल भारद्वाज, रविंद्र कुमार, नीलम वर्मा, तिलक राज आदि ने कहा कि हम पहलवानों के संघर्ष को सलाम करते हैं। महिला रेसलर्स के साथ हुई अमानवीय लाठीचार्ज, मारपीट व गिरफ्तारी की भी हम खड़े शब्दों में निंदा करते हैं। यौन उत्पीडऩ के आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण को बचाने के लिए पूरी सरकार व पूरा तंत्र लग गया है।

प्रदेश में आज बारिश से साथ चलेगा तूफान, ओलावृष्टि को भी रहें तैयार

शिमला। प्रदेश में बारिश-ओलावृष्टि के साथ गर्मी का प्रकोप भी अब बढने लगा है। हालांकि पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश-ओलावृष्टि से ठंडक बरकार हैं, तो वहीं मैदानी क्षेत्रों में पारा चढने लगा है। सोमवार को ऊना जिला में अधिकतम तापमान 37 डिग्री को पार कर गया है। मौसम विभाग ने मंगलवार को प्रदेश के कई क्षेत्रों में आंधी तूफान के साथ बारिश की आशंका जताई है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। लाहुल-स्पीति व किन्नौर जिला को छोडक़र प्रदेश के सभी क्षेत्रों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

एनआईआरएफ रैंकिंग-2023 : आईआईटी मद्रास देश का टॉप इंस्टीच्यूट, हिमाचल में आईआईटी मंडी सबसे आगे

नईदिल्ली/ धर्मशाला। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से सोमवार को देश के टॉप इंस्टीच्यूट की रैंकिंग यानी एनआईआरएफ रैंकिंग-2023 की घोषणा कर दी। इस बार जहां ओवरऑल रैंकिंग में आईआईटी मद्रास देश का सबसे बेहतरीन संस्थान है। वहीं यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ साइंस, बंगलुरु को नंबर वन का दर्जा मिला है। इस रैंकिंग के अंतर्गत 2022 में चार कैटेगरी थीं, जिनमें कालेज, विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्थान और सात विषय डोमेन-इंजीनियरिंग, प्रबंधन, फार्मेसी, कानून, चिकित्सा, वास्तुकला और दंत चिकित्सा थे। इस साल एनआईआरएफ ने एक नया विषय जोड़ा है कृषि और संबद्ध क्षेत्र। इसके अलावा, आर्किटेक्चर डिसिप्लिन का नाम बदलकर आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग कर दिया गया है। एनआईआरएफ रैंकिंग-2023 के अनुसार देश का टॉप विश्वविद्यालय है इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ साइंस, बंगलुरु। दूसरे स्थान पर जवाहर लाल

नेहरू विश्वविद्यालय का नाम आता है। इसके बाद जामिया मिलिया इस्लामिया और जाधवपुर विश्वविद्यालय तीसरे और चौथे नंबर पर हैं।

हिमाचल को कोई भी संस्थान किसी भी श्रेणी में टॉप-5 में स्थान हासिल नहीं कर सका है। रैंकिंग की ओवरआल श्रेणी में पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ ने 44वां, जबकि विवि श्रेणी में 27वां रैंक हासिल किया है, जबकि चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी मोहाली को ओवरआल में 45वां व विवि श्रेणी में 28वां रैंक मिला है। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी को ओवरआल में 46वां व विवि श्रेणी में 38वां स्थान हासिल हुआ है। आईआईएस मोहाली को ओवरआल में 51वां तथा आईआईटी मंडी को 73वां रैंक मिला है। गुरुनानक देव विवि अमृतसर को 87वां स्थान मिला है। गौरतलब है कि एनआईआरएफ रैंकिंग की शुरुआत, साल 2016 में की गई थी और यह इसका 8वां संस्करण है। जहां साल 2016 में 3500 संस्थानों ने रैंकिंग में हिस्सा लिया था। वहीं, इस साल 8686 संस्थानों ने रैंकिंग में हिस्सा लिया है। एनआईआरएफ की रैंकिंग अलग-अलग पैरामीटर्स पर तय होती है।

कश्मीर में चार ड्रग तस्कर गिरफ्तार

श्रीनगर, (वार्ता)। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बारामूला जिले में चार मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल सवार तस्करों को डंगरपोरा मार्केट में उस समय पकड़ा गया, जब उन्होंने गश्ती दल को देखकर भागने का प्रयास किया। ये लोग डंगरपोरा से मल्लोरा की ओर जा रहे थे। उनके पास से 170 ग्राम वर्जित चरस जैसे पदार्थ बरामद किए गए और मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गयी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान डंगरपोरा शीरी निवासी शफीक अहमद नाइकू, यासिर अहमद लोन और फैयाज अहमद वानी के रूप में की गयी है। इसके अलावा, एक अन्य मादक पदार्थ तस्कर की पहचान कलसारी पट्टन निवासी बिलाल अहमद शाह के रूप में हुई है, जिसे नेहलपोरा चेकासरी पट्टन में चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। आरोपी चेकसारी से पट्टन की ओर आ रहा था। उसने भी मौके से भागने की कोशिश की लेकिन वह पकड़ा गया।

चार दिन लेट आठ जून को केरल पहुंचेगा मानसून, यूपी-बिहार समेत छह राज्यों में हीट-वेव अलर्ट

नई दिल्ली। भारत को मानसून के लिएऔर इंतजार करना पड़ेगा। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के मुताबिक मानसून आठ जून तक केरल पहुंच सकता है। पहले इसके चार जून तक पहुंचने की संभावना जाहिर की गई थी। मौसम विभाग ने साथ ही कहा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत छह राज्यों में अगले तीन दिन बारिश की संभावना है, जबकि बिहार-उत्तर प्रदेश समेत छह राज्यों में हीट-वेव अलर्ट है। आईएमडी के मुताबिक आठ जून तक केरल, राजस्थान, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और ओडिशा में धूल भरी आंधी के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है, जबकि बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर पूर्व आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड और उत्तर प्रदेश में भीषण लू चलने की आशंका है। अंडमान और निकोबार द्वीप और लक्षद्वीप में भी बारिश होने का अनुमान है। वहीं, अन्य राज्यों में मौसम सामान्य रहेगा। गौर हो कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के रविवार यानी चार जून को केरल पहुंचने के आसार थे।

विदेश

अमरीका में लहराए खालिस्तानी झंडे, ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी मनाने के लिए हुए थे इकट्ठे

कैलिफोर्निया। पंजाब में ब्लू स्टार ऑपरेशन की बरसी को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है। वहीं विदेशों में एक बार फिर खालिस्तानी समर्थक युवाओं को भडक़ाने की कोशिशों में लगे हैं। बीते रविवार को अमरीका के कैलिफोर्निया में खालिस्तानी समर्थकों बड़ी संख्या में खालिस्तान के झंडे लिए खुलेआम दिखे। गौरतलब है कि छह जून, मंगलवार को, स्वर्ण मंदिर में ब्लू स्टार ऑपरेशन की 39वीं बरसी मनाई जाएगी। पुलिस की कोशिश है कि इस साल माहौल को तनावपूर्ण ना होने दिया जाए।

जिसके लिए अहम कदम उठाए जा रहे हैं। अर्ध-सैनिक बलों की टुकडियां पंजाब पुलिस के साथ तैनात की गई हैं। डीजीपी (स्पेशल) लॉ एंड ऑर्डर पंजाब अर्पित शुक्ला खुद अमृतसर में हैं। इन सबके उलट विदेश में जा चुके खालिस्तानी समर्थक विदेश व पंजाब दोनों जगह माहौल खराब

करने की कोशिशों में जुटे हैं। बीते रविवार कैलिफोर्निया में साउथ फ्रांसिस्को स्थित सिविक सेंटर के बाहर हजारों सिख परिवार इकट्ठे हुए। इनमें खालिस्तानी समर्थक भी पहुंचे, जिन्होंने खालिस्तानी झंडे फहराए और लोगों व युवाओं को गुमराह करने के भी प्रयास किए। ब्लू स्टार ऑपरेशन की बरसी के अवसर पर पूरे पंजाब में सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। हर जिले में अतिरिक्त फोर्स भेजी गई है।

यमन के प्रतिनिधियों ने शांति प्रक्रिया पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष राजदूत से की बात

अदन (वार्ता) यमन के राष्ट्रपति के नेतृत्व वाली परिषद (पीएलसी) के अध्यक्ष रशद अल-अलीमी ने देश में जारी शांति प्रक्रिया को लेकर सऊदी अरब की राजधानी रियाद में संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हंस ग्रंडबर्ग से मुलाकात की।

आधिकारिक समाचार एजेंसी सबा ने बताया कि बैठक के दौरान, श्री ग्रंडबर्ग ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी हालिया बैठकों के परिणामों के बारे में श्री अल-अलीमी को जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने सबा एजेंसी की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि संयुक्त राष्ट्र राजदूत ने यमन के लोगों की आकांक्षाओं को पूरी करने वाली एक व्यापक राजनीति प्रक्रिया शुरू करने पर बल दिया।

अमेरिका आतंकवादी संगठनों का समर्थक-लावरोव

दुशान्बे, (वार्ता)। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि अमेरिका अफगानिस्तान में शांति में दिलचस्पी नहीं रखता है और आतंकवादी समूहों का समर्थक है। ताजिकिस्तान की यात्रा पर यहां आये श्री लावरोव ने अपने बयान में कहा कि अमेरिका सक्रिय रूप से अफगानिस्तान में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट, (आईएस) और अल-कायदा (रूस में प्रतिबंधित) और उनसे जुड़े अन्य आतंकवादी संगठनों का समर्थक है। लावरोव ने कहा कि उनका (अमेरिका) लक्ष्य स्पष्ट कि अफगानिस्तान में शांति नहीं होने देना है।

बंगलादेश में सरकारी प्राथमिक स्कूल अस्थायी रूप से बंद

ढाका (वार्ता)। बंगलादेश में जारी भीषण लू के प्रकोप के कारण सरकारी प्राथमिक स्कूल आगामी चार दिनों तक बंद रहेंगे। बंगलादेश के प्राथमिक एवं जन शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि राजधानी ढाका सहित देश के कई हिस्से लू की चपेट में हैं और तापमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

पाकिस्तान में वैन-ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत

इस्लामाबाद (वार्ता)। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत के मंडी बहाउद्दीन जिले में सोमवार को एक वैन और ट्रक की टक्कर में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी और 13 अन्य घायल हो गये। बचाव सेवा ने यह जानकारी दी। बचाव सेवा ने बताया कि दुर्घटना जिले के गुजरात रोड पर सुबह हुई जब एक वाहन यू-टर्न ले रहा था। वाहनों की टक्कर में दो महिलाओं सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। दुर्घटना के तुरंत बाद बचाव सेवा घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को अस्पताल ले जाया गया। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में अक्सर सड़क दुर्घटनाएं मुख्य रूप से खराब रखरखाव वाले वाहनों, जर्जर सड़कों और सड़क सुरक्षा उपायों की लापरवाही के कारण होती हैं।

राजपुर रोड एवं मसूरी विधानसभा में भाजपा द्वारा महाजन संपर्क अभियान एवं विशिष्ट जनों से संवाद

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

देहरादून। भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी उमा नरेश तिवारी ने अवगत कराया की राजपुर विधानसभा के करणपुर मंडल में महानगर देहरादून के प्रभारी कुलदीप कुमार प्रदेश उपाध्यक्ष एवं महानगर देहरादून के प्रथम नागरिक सुनील उनियाल गामा, विधायक खजान दास एवं महानगर के अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने राष्ट्रव्यापी भाजपा द्वारा चलाए जा रहे महाजन संपर्क अभियान के दौरान देहरादून के प्रतिष्ठित डॉक्टर संजय गांधी निर्देशक सिटी हार्ट सेंटर एवं गुरुद्वारा सिंह सभा के सम्मानित अध्यक्ष सरदार गुरबख्श सिंह राजन के निवास पर जाकर फूल मालाओं एवं साल उठाकर सम्मानित किया वहीं मसूरी विधानसभा के श्री देव सुमन नगर मंडल में महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने स्वर्ण पदक विजेता विश्व स्तर पर अनेकों बार खेलों के माध्यम से भारत का प्रतिनिधित्व कर देश में परचम लहराने वाले श्री विनोद पोखरियाल से संपर्क किया उनके दीघा सुखद अनुभव से हम सभी लोग लाभान्वित हुए राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन संस्थान जिनके माध्यम से हजारों बच्चे अपने जीवन को सही दिशा की तरफ ले जाने में सक्षम होते हैं ऐसे संस्थान संस्थान से सेवानिवृत हुए राजपाल सिंह एवं वरिष्ठ महानुभाव श्री जगदीश लाखेड़ा से भी संपर्ककर केंद्र सरकार मान्य प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में चल रही सरकार के राष्ट्रीय हित निर्माण एवं विश्व पटल पर उनके सकारात्मक प्रभावशाली विषय पर चर्चा भी हुई एवं महाजन संपर्क से जनसंपर्क को लेकर के 9090 9020 24 पर मिस कॉल भी करवाई गई। इस महाजन संपर्क अभियान में महानगर के संयोजक सुरेंद्र राणा जी देवेंद्र सिंह कोहली उमा नरेश तिवारी मंडल अध्यक्ष राहुल लारा मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत पूनम नौटियाल अवधेश तिवारी सौरभ शर्मा विशाल गुप्ता आशीष थापा प्रमोद थापा भावना सभरवाल पार्षद भूपेंद्र कठईटी पार्षद संजय नौटियाल कमल थापा उत्तम रमोला अमित ठाकुर धर्मेंद्र गुप्ता आदि कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

खुद को दिल्ली पुलिस का कॉन्स्टेबल बताते हुए जमकर किया हंगामा, पुलिस ने कटा चालान

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

हरिद्वार। सपरिवार गंगा नहाने आए एक युवक ने खुद को दिल्ली पुलिस का कॉन्स्टेबल बताते हुए जमकर हंगामा काटा। जिसके बाद पुलिस ने कांस्टेबल का चालान काट दिया। घटना कनखल थाना क्षेत्र में विश्वकर्मा घाट की बताई जा रही है। बता दें कि चार धाम यात्रा और गर्मी की छुट्टियों के चलते इन दिनों हरिद्वार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में धर्मनगरी हरिद्वार की सड़कों पर जगह-जगह जाम की स्थिति बनी हुई है। लोगों को कई घंटे जाम में फंसकर घंटों पसीना बहाना पड़ रहा है। जिसे लेकर यातायात पुलिस भी लगातार अभियान चला रही है। दिल्ली से परिवार सहित नहाने आए एक युवक ने अपनी कार सड़क पर खड़ी कर दी और परिवार के साथ गंगा नहाने चला गया। मौके पर पहुंची यातायात पुलिस ने इस कार का चालान काटना चाहा तो युवक ने खुद को दिल्ली की यातायात पुलिस का सिपाही बताते हुए जमकर हंगामा किया। हंगामा बढ़ते देख मौके पर अन्य पुलिसकर्मी भी पहुंच गए। इस दौरान युवक ने रौब गालिब करते हुए खुद को दिल्ली का कांस्टेबल बताते हुए यातायात पुलिस महिला कांस्टेबल के साथ जमकर अभद्रता की। आखिरकार यातायात

पुलिस के आगे इसकी एक न चली और यातायात पुलिस ने गाड़ी का चालान कर दिया। इसी के साथ यातायात पुलिस की महिला सिपाही की ओर से मामले की लिखित शिकायत दर्ज कर कानूनी कार्रवाही की तैयारी की जा रही है। एसपी ट्रैफिक रेखा यादव के अनुसार दिल्ली पुलिस के आलाधिकारियों से भी इसकी शिकायत की जायेगी। रेखा यादव ने कहा कि वीडियो में युवक द्वारा अपने आपको दिल्ली पुलिस का कॉन्स्टेबल बताया जा रहा है।

केंद्र सरकार के नौ वर्षों की उपलब्धियां बताने जनता के बिच पहुंचे भाजपा के वरिष्ठ नेता डा.विशाल गर्ग

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

हरिद्वार। जनसंपर्क से जनसमर्थन अभियान से जोड़ते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता डा.विशाल गर्ग ने जगजीतपुर में अभियान को तेज गति से चलाते हुए सौ लोगों को केंद्र सरकार की नौ वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी साझा की। मोबाईल मिस कॉल के माध्यम से जगजीतपुर के लोगों को केंद्र सरकार की जनकल्याण की योजनाओं से अवगत कराया। डा.विशाल गर्ग ने कहा कि केंद्र सरकार के नौ वर्ष उपलब्धियों भरे हैं। गरीबों को राशन वितरित करने जैसी योजनाएं, कोविड टीकाकरण, गरीबों के घर का सपना, जनधन योजना एवं उज्जवला जैसी योजनाएं संचालित कर देश की जनता को केंद्र की मोदी सरकार ने अनेकों सौगातें दी हैं। उन्होंने कहा कि देश को स्वच्छता का संदेश देने में देश के प्रधानमंत्री ने निर्णायक भूमिका निभायी है। देश विश्व गुरू बनने की और बढ़ रहा है। देश दुनिया में मोदी सरकार ने देश का मान बढ़ाने का काम किया। डा.विशाल गर्ग ने धारा 370, तीन तलाक जैसे कानून पारित कर लोगों को न्याय दिलाने का काम किया। मोदी सरकार के नौ वर्ष उपलब्धियों भरे हैं। जनसंपर्क से जनसमर्थन अभियान जोरोशोरो से चलाया जाएगा। घर घर पहुंचकर लोगों को केंद्र सरकार की जनकल्याण की योजनाओं से अवगत कराने का काम किया जा रहा है। इस दौरान विश्वास सक्सेना, लक्की वालिया, अंकित, राजेश शर्मा, निशा वर्मा, रजत जैन, अमित वालिया, मिनी पुरी मौजूद रहे।

डॉ. गर्ग बोले देश को स्वच्छता का संदेश देने में देश के प्रधानमंत्री ने निर्णायक भूमिका निभायी है

हरिद्वार से फर्जी आयु प्रमाण पत्र बनवाकर नाबालिग की करवाई जा रही थी शादी, पुलिस ने रोका, मुकदमा दर्ज

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

उत्तरकाशी/हरिद्वार। फर्जी आयु प्रमाण पत्र बनवाकर नाबालिग की शादी कराए जाने के मामले में पुलिस ने मुकद्मा दर्ज किया है। पुलिस अब आगे की कार्यवाही कर रही है। उत्तरकाशी जनपद के डुंडा विकासखंड अंतर्गत कुमारकोट गांव में फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर नाबालिग की शादी कराने के मामले में थाना धरासू में वर पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक जिला प्रोबेशन अधिकारी यशोदा बिष्ट उत्तरकाशी की तहरीर पर ये मुकदमा दर्ज हुआ है। धरासू पुलिस ने मामले की जांच ब्रह्मखाल चौकी को सौंप दी है।

हालांकि, जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि फर्जी प्रमाण पत्र की जांच के बाद दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। विदित हो कि बीते नौ मार्च 2023 कुमारकोट गांव में नाबालिग की शादी की शिकायत मिलने पर प्रशासन की टीम देर शाम गांव पहुंची। गांव में शादी की तैयारियां पूरी कर बारात का इंतजार किया जा रहा था। प्रशासन की टीम ने जांच की तो हाईस्कूल के प्रमाणपत्र से लड़की की उम्र 16 वर्ष कुछ माह होने की पुष्टि हुई। जिसके बाद शादी रुकवा दी गई थी और हरियाणा से आ रही बारात रास्ते से ही वापस लौट गई थी। आरोप है कि परिजनों ने हरिद्वार में नाबालिग का फर्जी जन्म प्रमाण बनवाकर पहले ही कोर्ट मैरिज भी करवा दी थी, जिसके बाद मामले की जांच की गई। जांच में फर्जी प्रमाण पत्र बनवाने की पुष्टि हुई। प्रभारी निरीक्षक थाना धरासू कमल कुमार लुंठी ने बताया कि फर्जी प्रमाण पत्र बनवाने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। मामले की विवेचना ब्रह्मखाल चौकी इंचार्ज करेंगे। जिला प्रोबेशन अधिकारी यशोदा बिष्ट ने बताया कि दोनों पक्ष के खिलाफ मुकदमा दायर किया जाना है। प्रभारी निरीक्षक थाना धरासू के अनुसार उपरोक्त मामले में किसी भी दोषी पक्ष को बख्सा नहीं जायेगा।

आरोप है कि परिजनों ने हरिद्वार में नाबालिग का फर्जी जन्म प्रमाण बनवाकर पहले ही कोर्ट मैरिज भी करवा दी थी

अमूल के पैकेट में बेचते थे नकली घी और मक्खन, 11 लोगों के गिरोह का भंडाफोड़, 5 अरेस्ट

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में अमूल के नकली डेयरी उत्पाद बनाने और बेचने के आरोप में शनिवार को पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सेक्टर 70 के एक घर से घी, मक्खन और पैकेजिंग के सामान समेत लगभग 65 लाख रुपये की सामग्री बरामद की। पांचों व्यक्तियों की पहचान सेक्टर 70 निवासी संजय सिंह, गाजियाबाद के राजकुमार सिंह, साजिद, भोजपुर से आसिफ अली और हापुड़ के दीपक कुमार के रूप में हुई है। डीसीपी (सेंट्रल नोएडा) राम बदन सिंह ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि सेक्टर 70 स्थित एक घर में कुछ लोग भारी मात्रा में नकली घी और मक्खन बना रहे हैं।

हमने छापा मारा और अमूल मक्खन और घी के कई खाली पैकेट मिले। जब हमने घर के लोगों से पूछताछ की तो उन्होंने खुलासा किया कि वे दिल्ली से सस्ते दामों पर मक्खन और घी खरीदते थे। फिर वे इसे घर ले जाते थे, जहां वे अमूल के पैकेट में उसे पैक करते थे। डीसीपी ने कहा कि आरोपी दिल्ली से 100 ग्राम मक्खन 14 रुपये में खरीदते थे और पैकेजिंग बदलने के बाद 54 रुपये में बेचते थे।

उनके ग्राहक सड़क किनारे के विक्रेता थे, जो फास्ट फूड, परांठे आदि बेचते थे। आरोपियों पर आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), 467 (जालसाजी), 468 (धोखाधड़ी के लिए जालसाजी), 272 (बिक्री के लिए खाद्य या पेय की मिलावट), और 273 (हानिकारक भोजन या पेय की बिक्री) के तहत मामला दर्ज किया गया है। रविवार को उन्हें मैजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक: विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906: Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com